शिक्षा संबंधी समितियां

5676. **श्री इकबाल सिंह: क्या मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अपने संवैधानिक लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकी है;

(ख) यदि हां, तो शिक्षा के क्षेत्र में अब तक कितनी समितियां बनीं और उनके कितने प्रतिवेदन प्रकाशित हुए और सरकार द्वारा मानी गई समिति-वार सिफारिशों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश के सभी बालक-बालिकाओं को शिक्षित करने के संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदमों का ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में उपमंत्री (कु० शैलजा): (क) से (ग) स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने प्रारंभिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के संवैधानिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्राथमिक स्कूलों और उच्च प्राथमिक स्कूलों की संख्या वर्ष 1950-51 में 2.23 लाख थी जो वर्ष 1993-94 में बढ़कर 7.28 लाख हो गई है। इसी अवधि के दौरान इन स्कूलों में नामांकन 22.3 मिलियन से बढ़कर 148.1 मिलियन हो गया है।

शिक्षा के संबंध में तीन प्रमुख आयोग नियुक्त किए गए हैं, अर्थात (i) भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा पर रिपोर्ट देने और देश की वर्तमान तथा भविष्य की जरूरतों के अनुसार सुधार तथा परिवर्तन करने के संबंध में सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49), (ii) देश में माध्यमिक शिक्षा की प्रचलित प्रणाली की जांच करने और इसके पुनर्गठन और सुधार के लिए उपाय सुझाने के लिए गठित किया गया माध्यमिक शिक्षा आयोग (1952) और (iii) शिक्षा के राष्ट्रीय पैटर्न पर और शिक्षा के सभी स्तरों तथा इसके सभी पहलुओं के विकास के लिए सामान्य सिद्धांतों और नीतियों के संबंध में सलाह देने के लिए नियुक्त किया गया वर्ष 1964—66 का शिक्षा आयोग। वर्ष 1964—66 के शिक्षा आयोग ने शिक्षा पर पिछले सभी आयोगों और समितियों का एक संक्षिप्त दृष्टिकोण लिया था और इसकी रिपोर्ट 29 अगस्त, 1966 को सभा पटल पर रख दी गई थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन पी ई), 1986 के निर्धारण करने में पिछले आयोगों तथा समितियों की सभी रिपोर्टों को ध्यान में रखा गया था, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 को 2 मई, 1986 को सभा पटल पर रख दिया था। शिक्षा संबंधी समितियों और आयोगों के संबंध में पर्याप्त प्रकाशित साहित्य है जिसमें 'द एजूकेशन कमीशन एंड आफ्टर बाई जे०पी० नायक' शामिल है जिसकी प्रति संसद भवन के पुस्तकालय में उपलब्ध है।

शैक्षिक विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा इस विभाग की वार्षिक रिपोर्ट में दिया गया है।

National Open School

5677. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the structure of the National Open School;

(b) the members of various decision making bodies;

(c) when each one was nominated in the past, period of tenure and other details thereof;

(d) how many top officials were relieved/discharged in the recent past;

(e) the details thereof in each case;

(f) when did each one was appointed;

(g) what is the present tenure of present Chairman and when it will be over; and

(h) when did initially he was appointed?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND CULTURE) (KM. SELJA): (a) The Memorandum of Association and Rules & Regulations of National Open School Society provide for the following bodies for discharging the funtions of the Society:—

(a) The General Body

(b) The Executive Board